दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

बलरामपुर
रविवार ,22 मार्च 2026
वर्ष: 05 अंक : 169 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कचरे के पास युवक का शव, इटवा में हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के टिकुइया चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे कचरे के ढेर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची इटवा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय राजू साहनी पुत्र तेजू, निवासी तेलियाडीह थाना गोल्हौरा के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष संजय मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक वहां तक कैसे पहुंचा और घटना के पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं है।

विश्व वानिकी दिवस पर सिद्धार्थनगर में नेचर ट्रेल व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। वन विभाग के अधिकारियों और सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर के सभी रेंजों में विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर "फॉरेस्ट एंड इकोनॉमी" थीम पर आधारित नेचर ट्रेल कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों, स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बांसी रेंज में क्षेत्रीय वन अधिकारी शिव कुमार गुप्ता के निर्देशन में चेतिया जंगल में नेचर ट्रेल कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत चेतिया वन चौकी परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर फॉरेस्टर संदीप कुमार, प्रदीप कुमार, राज कपूर सहित वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। खेसरहा रेंज में प्राथमिक विद्यालय कड़जा के छात्रों और स्थानीय जनमानस के साथ वन पौधारोपण किया गया। इस संरक्षण रैली निकाली गई। इसके साथ ही विचार गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को "फॉरेस्ट एंड इकोनॉमी" के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के तहत कौशिल्या द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान में में वृक्षारोपण कर पर्यावरण दौरान डिप्टी रेंजर अनुराग वर्मा सहित कई वनकर्मी उपस्थित रहे। डुमरियागंज रेंज में क्षेत्रीय वन अधिकारी छविनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में बायताल जंगल में नेचर ट्रेल आयोजित किया गया। साथ ही वन चौकी परिसर संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ शंकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की देखभाल का संकल्प लिया।

ककरहवा जंगल में नेचर ट्रेल, छात्रों ने लिया प्रकृति का अनुभव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर द्वारा नौगढ़ रेंज स्थित ककरहवा जंगल में नेचर ट्रेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभागीय निदेशक नीला एम० एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी वीना तिवारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजीव गांधी नेशनल ककरहवा के छात्र–छात्राओं ने वन मार्ग से जंगल में भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव किया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेश कुमार कुशवाहा ने "थ्वतमेजे ंदक म्बवदवउपबे" थीम पर प्रकाश डालते हुए वनों के प्रबंधन, प्रकाष्ठ उत्पादन और पारिस्थितिकीय सेवाओं के आर्थिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वन न केवल रोजगार सृजन के स्रोत हैं, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को कम कर सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेचर ट्रेल के दौरान छात्रों को विभिन्न पेड़–पौधों की पहचान कराई गई तथा उनकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। साथ ही वन्य जीवों की सुरक्षा और मानव–वन्य जीव संघर्ष की स्थिति में अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत "एक पेड़–माँ के नाम" अभियान के तहत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान छात्राओं एवं महिला शिक्षिकाओं द्वारा आंवला और कचनार के पौधे लगाए गए, जबकि प्रधानाचार्य दीप नारायण त्रिपाठी एवं अन्य शिक्षकों ने प्लेन्टोफॉर्म का रोपण किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक राधेश्याम मौर्य, आभा पाण्डेय, नैनसी, दिव्या त्रिपाठी सहित वन दरोगा शैलेंद्र कुमार, निखिल श्रीवास्तव, श्याम बिहारी तथा वन रक्षक अतुल तिवारी, शिवानंद शुक्ला, भवानी शंकर पाण्डेय, अदालत प्रसाद और वन माली श्यामलाल सहित अन्य वनकर्मी उपस्थित रहे।

राम कथा में शिव–पार्वती विवाह प्रसंग से भाव–विभोर हुए श्रद्धालु, भक्ति में डूबा अवेद्यनाथ सभागार

दैनिक बुद्ध का संदेश

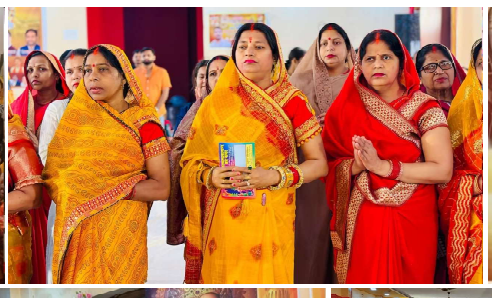

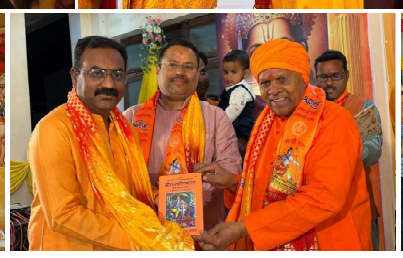

सिद्धार्थनगर। शहर स्थित नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित अमृतमयी श्रीराम कथा महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। अयोध्या धाम से पधारे अंतरराष्ट्रीय कथावाचक संत गौरव कृष्ण शास्त्री ने अपनी मधुर, ओजस्वी और संगीतमयी वाणी से सती प्रसंग एवं भगवान शिव–पार्वती विवाह का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के आरंभ से ही सभागार में बैठे श्रद्धालु पूरी तरह तन्मय दिखाई दिए। जैसे–जैसे कथावाचक ने सती के त्याग, उनके आत्मसम्मान और भगवान शिव की विरक्ति का मार्मिक वर्णन किया, वैसे–वैसे श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। श्रद्धालु कथा के प्रत्येक प्रसंग को आत्मसात करते नजर आए। वहीं जब भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह का प्रसंग प्रारंभ हुआ तो पूरा वातावरण उल्लास, उमंग और भक्ति से सराबोर हो गया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो उपस्थित जनसमूह स्वयं उस पावन विवाह का साक्षी बन गया हो। कथावाचक संत गौरव कृष्ण शास्त्री की संगीतमयी प्रस्तुति और मधुर भजनों ने कथा को और अधिक जीवंत बना दिया। बीच–बीच में गूंजते "हर–हर महादेव" और "जय श्रीराम" के जयघोष से पूरा सभागार भक्तिमय वातावरण में डूब गया। कई श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते हुए प्रभु के नाम का स्मरण करते दिखाई दिए, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। कथा के सफल संचालन में अंब्रीश नारायण पांडेय, ब्रह्मानंद रामायणी, अगस्त मिश्र और शेखर दास की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं महोत्सव को सफल बनाने में आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान देखने को मिला। कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत मनीष शुक्ला, अध्यक्ष शिवदत्त अग्रहरि, महामंत्री नीरज श्रीवास्तव, संयोजक शुभम श्रीवास्तव, सह–संयोजक संदीप जायसवाल, राघवेंद्र यादव, रमेश गुप्ता सहित पप्पू चौबे, महेश्वर अग्रहरि, डॉ. अरुण कुमार प्रजापति, रजनीश उपाध्याय, विनोद बजाज, राणा प्रताप सिंह, अनिल वर्मा, सुनील श्रीवास्तव, श्रीश श्रीवास्तव और पंकज पासवान आदि की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान प्रवचन सुनने पहुंचे प्रबुद्धजनों को रामचरितमानस एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया, जो आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। इससे कार्यक्रम की गरिमा और अधिक बढ़ गई। कथा के समापन पर भव्य आरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ भाग लेकर वातावरण को और अधिक दिव्य बना दिया। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ ग्रहण किया। बताते चलें कि अमृतमयी श्रीराम कथा महोत्सव के आगामी दिनों में भी विभिन्न दिव्य प्रसंगों का रसपूर्ण और आध्यात्मिक वर्णन किया जाएगा। इसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह बना हुआ है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं।

अटलनगर में श्री विष्णु महायज्ञ व कथा का भव्य शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु अंतर्गत नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अटलनगर (पिपरा पाण्डेय) में शनिवार को भक्ति और आध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां श्री विष्णु महायज्ञ, संगीतमयी श्रीराम कथा एवं श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत पूजन–अर्चन के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक श्याम धनी राही ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव और शांति का संचार करते हैं तथा लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस पावन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द माधव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पंडित सुधीर पांडे (फरसा बाबा), माधव पाण्डेय, सभासद शिवमणि भारती, मनीष जायसवाल, विजय पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। महायज्ञ और कथा के शुभारंभ पर सभी श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख–समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। आयोजन समिति के अनुसार आगामी दिनों में प्रख्यात कथावाचकों द्वारा श्रीराम कथा और श्रीमद्भागवत कथा का रसपूर्ण वर्णन किया जाएगा, जिसे सुनने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

नीलगाय से बचने में कार दुर्घटनाग्रस्त, युवक की मौत, दो घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

महदेवा बाजार/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के बर्रोहिया खालसा में नीलगाय को बचाने के प्रयास में एक अनियंत्रित कार बाजार की दीवार से टकरा गई, जिससे एक युवक की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक इस हादसे में सुरक्षित बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चालक बजरंगी ने बताया कि उसके घर पर भागवत कथा का कार्यक्रम प्रस्तावित था, जिसके चलते देर रात तक काम चल रहा था। काम समाप्त होने के बाद वह कार से एक मजदूर को छोड़ने के लिए महदेवा बाजार गया था। वापस लौटते समय अचानक गाड़ी के सामने नीलगाय आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होकर मकान की बाउंड्रीवाल से टकरा गया। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान 30 वर्षीय शिवकुमार पुत्र रामप्रसाद निवासी गनेरा की मृत्यु हो गई। वहीं दूसरे घायल सलमान (20) पुत्र रियाज को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। तीसरे घायल बंशी गोस्वामी (20) का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। मृतक शिवकुमार चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। उसकी मौत की खबर मच गया और गांव में शोक

मिलते ही परिजनों में कोहराम की लहर दौड़ गई।

सिद्धार्थनगर में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न, विकास और जनकल्याण की उपलब्धियों का व्यापक प्रस्तुतीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "नवनिर्माण के 9 वर्ष" विषयक भव्य एवं प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन शोहरतगढ़ स्थित शिवपति डिग्री कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल (सांसद डुमरियागंज) की अध्यक्षता में विनय वर्मा (विधायक शोहरतगढ़), भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात शिवपति इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की गई। जिलाधिकारी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे, जहां आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ–साथ मौके पर ही समस्याओं का समाधान भी किया गया। मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से रखते हुए कहा कि इन वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल और कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुआ है, जिससे प्रदेश की तस्वीर बदली है। उन्होंने किसानों के लिए संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाया जा रहा है। काला नमक चावल को "एक जनपद एक उत्पाद" योजना में शामिल किए जाने से इसकी पहचान राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। उन्होंने बताया कि जिले में इसकी खेती 2700 हेक्टेयर से बढ़कर 18,000 हेक्टेयर तक पहुंच चुकी है। साथ ही मत्स्य पालन के क्षेत्र में सिद्धार्थनगर का प्रदेश में प्रथम स्थान होना जिले के लिए गौरव की बात है। विधायक विनय वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास, निःशुल्क राशन वितरण तथा आयुष्मान योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने शोहरतगढ़ क्षेत्र में बस

स्टेशन, मछली मंडी, रजिस्ट्री कार्यालय और 50 बेड अस्पताल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास को बड़ी उपलब्धि बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि प्रदेश में अब भयमुक्त वातावरण स्थापित हुआ है और उत्तर प्रदेश तेजी से निवेश का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, केंद्रीय विद्यालय और पासपोर्ट कार्यालय जैसी सुविधाएं आमजन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अपने संबोधन में कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ओडीओपी योजना के अंतर्गत काला नमक चावल की ब्रांडिंग की गई है और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। शोहरतगढ़ में मछली मंडी का निर्माण स्थानीय व्यापार को नई दिशा देगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण), स्वयं सहायता समूह, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थी शामिल रहे। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। अंत में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपनी–अपनी योजनाओं और उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा आश्वस्त किया कि सरकार की सभी योजनाओं को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर साधना चौधरी, एस.पी. अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, डॉ. रजत कुमार चौरसिया, संदीप सिंह, अरुण कुमार, देवेंद्र प्रताप सिंह, साहब यादव, चन्द्रभूषण तिवारी, अनिशि मणि त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी और आमजन उपस्थित रहे।

मंगल भवन डुमरियागंज में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम सम्पन्न, विकास और जनकल्याण की उपलब्धियों का हुआ व्यापक प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

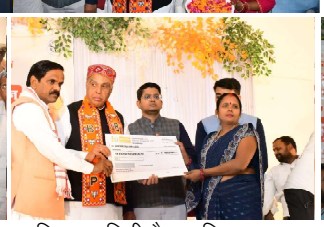

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "नवनिर्माण के 9 वर्ष" विषयक भव्य कार्यक्रम का आयोजन डुमरियागंज स्थित मंगल भवन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल (सांसद डुमरियागंज) की अध्यक्षता में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं लाभार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने, जहां आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ–साथ उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान भी किया गया। मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार के पिछले 9 वर्षों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल और कानून–व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं ने आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। उन्होंने काला नमक चावल को "एक जनपद एक उत्पाद" योजना के तहत मिली पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यह उत्पाद देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी खुशबू बिखेर रहा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी इसकी बिक्री बढ़ी है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और भाग्यलक्ष्मी योजना जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे समाज के हर वर्ग को सीधा लाभ मिला है। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने अपने संबोधन में कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास की नई दिशा तय हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। प्रदेश आज निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। जिले में मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय और पासपोर्ट कार्यालय जैसी सुविधाएं आमजन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। ओडीओपी के अंतर्गत काला नमक चावल की ब्रांडिंग से इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है, जबकि मत्स्य उत्पादन में भी जनपद प्रदेश में अग्रणी बना हुआ है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है और जिला प्रशासन इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इनमें मुख्यमंत्री आवास योजना के 14, स्वयं सहायता समूह की 11, प्रधानमंत्री आवास (शहरी) के 2, मृदा परीक्षण कार्ड के 5, आयुष्मान योजना के 5, पोषण पोटली के 5 तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के 3 लाभार्थी शामिल रहे। साथ ही पेंशन योजनाओं के तहत भी लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जो सामाजिक सरोकारों से जुड़ा विशेष आकर्षण रहा। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपनी–अपनी योजनाओं की प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत करते हुए आश्वस्त किया कि सभी योजनाओं को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, डॉ. रजत कुमार चौरसिया, राजेश कुमार, नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, संदीप सिंह, साहब यादव, कुमार कार्तिकेय मिश्र, विनोद मणि त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

चौपाल में दी गई सरकारी योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के एक गांव में चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान बैंक अधिकारियों और प्रशासनिक टीम ने लोगों को जन–धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, किसान योजनाएं और अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को डिजिटल लेन–देन, बैंकिंग सुविधाओं और हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के प्रति भी जागरूक किया। साथ ही लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

छात्राओं ने संभाली कमानरू एक दिन के लिए बनीं प्रधानाचार्य, दिखाई नेतृत्व क्षमता

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/शोहरतगढ़। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल सामने आई। शोहरतगढ़ ब्लॉक क्षेत्र के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय चेतरा शेख में शुक्रवार को दो छात्राओं को एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनाकर नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अनूठा प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा आठ की छात्रा मुस्कान को उच्च प्राथमिक स्तर तथा कक्षा चार की छात्रा सरोजिनी को प्राथमिक स्तर का एक दिवसीय प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। दोनों छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास और गंभीरता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। इस दौरान छात्राओं ने विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति का निरीक्षण किया, मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता व व्यवस्था को परखा तथा चल रही परीक्षाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अनुशासन बनाए रखने और विद्यालय की गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में भी सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार और शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मिशन शक्ति के तहत इस तरह की पहलें बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

सिद्धार्थनगर में प्रशासन सख्त, विकास और सुरक्षा पर फोकस तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में विकास कार्यों को गति देने और कानून–व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया गया, जिसमें सड़कों की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का गहन जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अधूरे विकास कार्यों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, सड़क निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने कई गांवों में जाकर आम जनता से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर ही कई शिकायतों का निस्तारण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और प्रमुख बाजारों, चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर लगातार गश्त की जा रही है। पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि इससे जिले में सुरक्षा और विकास दोनों को नई दिशा मिलेगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे।

सिद्धार्थनगर में सड़क हादसे में एक की मौत, दो गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार बाजार की दीवार से जा टकराई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। बताया जा रहा है कि सड़क पर अचानक नीलगाय आ जाने के कारण चालक घबरा गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर बाजार की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और आसपास अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और हादसे के पीछे के सभी कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और अचानक सामने आए जानवर को दुर्घटना की वजह माना जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में अक्सर नीलगाय और अन्य जानवर सड़क पर आ जाते हैं, जिससे हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे विशेषकर ग्रामीण और बाजार क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं और गति सीमा का पालन करें, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

धार्मिक आयोजन की बड़ी खबर द्य गो सेवा ही कल्याण का एकमात्र साधन : आचार्य धीरेंद्र शुक्ल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका क्षेत्र के माता शीतला स्थान पर आयोजित सनातनी राष्ट्रोत्कर्ष कथा समारोह के प्रथम सत्र में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर आचार्य धीरेंद्र शुक्ल ने अपने प्रवचन में कहा कि वर्तमान समय सृष्टि के प्रक्षालन (शोधन) का काल चल रहा है और मानव के अत्यधिक दोहनात्मक व्यवहार के कारण प्रकृति स्वयं को पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया में लगी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में केवल गो सेवा और भगवन्नाम जप ही मानव कल्याण का एकमात्र साधन है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक गो सेवा में लगें और भगवान के नाम का स्मरण करते रहें। आचार्य जी ने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि प्रकृति अपने वास्तविक स्वरूप में लौटने के लिए दुष्ट प्रवृत्तियों का अंत करेगी। प्रवचन की शुरुआत में आचार्य धीरेंद्र शुक्ल ने सभी सनातनी श्रद्धालुओं को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और नवरात्रि व्रत को पूरी श्रद्धा और नियमपूर्वक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का परम सौभाग्य है कि माता शीतला देवी और श्री हनुमान जी की कृपा से हमें भगवत चर्चा का अवसर प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान पूजन मंडप में यज्ञाचार्य राघवेंद्र मिश्र एवं उपाचार्य सचिन गर्ग के सानिध्य में वैदिक ब्राह्मणोंकुराहुल शास्त्री, राम जी शास्त्री, श्याम जी शास्त्री, नितिन शास्त्री, आचार्य सतीश जी, आदित्य शास्त्री, विधि–विधान से सम्पन्न कराया गया। अवध धाम से पधारे चंद्रशेखर रामायणी ने श्रीराम कथा का भावपूर्ण वर्णन किया, वहीं वृंदावन धाम से आए आचार्य धीरेंद्र शुक्ल ने श्रीमद्भागवत कथा का संगीतमय प्रस्तुतीकरण कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ

रविकांत शुक्ल और सौरभ व्यास मंच पूजन के साथ हुआ, शास्त्रीकृके नेतृत्व में कलश जिसमें श्री अनिल श्रीवास्तव, पूजन एवं देव यजन बब्बल बाजपेई, चंद्रमणि शुक्ल, श्रीप्रकाश त्रिपाठी, ऋषिप्रकाश गौड़, राधेश्याम त्रिपाठी एवं देवेंद्र शुक्ल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रथम दिवस पर ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण और भक्ति की गूंज सुनाई देती रही। आयोजकों के अनुसार यह कथा समारोह कई दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

मौसम का कहर, किसान परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में अचानक मौसम बदल गया। तेज हवा, बारिश और कई जगहों पर ओलावृष्टि हुई, जिससे गेहूं की फसल खेतों में बिछ गई। किसान भारी नुकसान से चिंतित हैं।

बारिश में भीगते रहे लोग, गैस के लिए लंबी लाइन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों को बारिश में भी लाइन लगानी पड़ी। घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

मनरेगा बकाया, गैस संकट और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सपा ने साधा निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में शोहरतगढ़ तहसील

मुख्यालय स्थित मेढ़वा चौराहे के पास रविवार को अंसारी हॉस्पिटल के बगल आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह ने पत्रकारों से प्रेस कांफ्रेंस कर सम्मेलन की जानकारी दी। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश और देश में भय, भूख और भ्रष्टाचार बढ़ा है। आरोप लगाया कि सरकार ग्राम प्रधानों का दो वर्षों से मनरेगा का बकाया भुगतान नहीं कर पाई है। साथ ही यह भी कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा योजना को खत्म करने पर तुली हुई है। पूर्व विधायक ने कहा कि सरकार दावा करती है कि देश और प्रदेश में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है, लेकिन गैस एजेंसियों के बाहर लगी लंबी कतारें हकीकत बयां कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब पूरे देश में ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, उसी दिन भाजपा कार्यक्रम आयोजित कर अपनी उपलब्धियां गिनाने में लगी है। चौधरी अमर सिंह ने सांसद आदर्श गांव योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह वायदा केवल वायदा बनकर रह गया। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में आयोजित किसान, नौजवान व मजदूर सम्मेलन में पार्टी के कई दिग्गज नेता और वक्ता शामिल होंगे।

खरमास में 173 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, परंपरा और प्रशासनिक निर्णय पर छिड़ी बहस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत खरमास की अवधि में 173 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न कराया गया। यह आयोजन जहां एक ओर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया, वहीं दूसरी ओर हिंदू परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को लेकर विवाद और बहस का विषय भी बन गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार 15 मार्च से 14 अप्रैल तक का समय खरमास के रूप में जाना जाता है। इस अवधि को शास्त्रों में मांगलिक कार्यों जैसे विवाह, सगाई और गृह प्रवेश के लिए अशुभ माना गया है। परंपरागत रूप से हिंदू समाज इस दौरान ऐसे आयोजनों से परहेज करता आया है। ऐसे में प्रशासन द्वारा इस अवधि में विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर कुछ सामाजिक संगठनों और लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करार दिया है। तहसील

तुलसीपुर स्थित एमडीएस मैरिज लॉन में 20 मार्च को आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक कैलाश नाथ शुक्ला उपस्थित रहे। इसके साथ ही ब्लॉक प्रमुख गैसड़ी सहित कई जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। पूरे आयोजन को उत्सव के रूप में सजाया गया था, जहां वर–वधू पक्ष के परिजनों में भी खुशी का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान कुल 173 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिनमें 130 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति–रिवाजों के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ, जबकि 43 जोड़ों का विवाह मुस्लिम परंपराओं के अनुसार निकाह के रूप में कराया गया। इस प्रकार यह आयोजन सामाजिक समरसता और विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द का भी प्रतीक बना। हालांकि, आयोजन की टाइमिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कई लोगों का कहना है कि खरमास में विवाह कराना हिंदू धार्मिक आस्थाओं के विरुद्ध है और प्रशासन को इस विषय में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए थी। वहीं कुछ लोगों ने इसे परंपराओं को नजरअंदाज करने का प्रयास बताते हुए आयोजकों पर सवाल खड़े किए हैं। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी राहुल गुप्ता ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पूरे प्रदेश में कार्यक्रम निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले 31 मार्च तक बजट का उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है, जिसके चलते इस अवधि में भी विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लाभार्थियों को खरमास में विवाह कराने में आपत्ति है, वे बाद की तिथियों में भी योजना का लाभ ले सकते हैं। प्रशासन की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि सामूहिक विवाह के आगामी कार्यक्रम 23 मार्च को उतरौला स्थित शालीमार मैरिज लॉन तथा 27 मार्च को बलरामपुर शहर के माया होटल में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में जोड़ों के शामिल होने की संभावना है। कुल मिलाकर यह आयोजन जहां गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहारा बनकर सामने आया, वहीं धार्मिक मान्यताओं और सरकारी योजनाओं के बीच संतुलन को लेकर एक नई बहस भी छेड़ गया है। अब देखना यह होगा कि आने वाले समय में प्रशासन इस प्रकार के आयोजनों में परंपराओं और जनभावनाओं के बीच किस तरह संतुलन स्थापित करता है।

ईद–उल–फितर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में अदा हुई नमाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की सतत निगरानी में जनपद के समस्त ईदगाहों में ईद–उल–फितर की नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। पूरे जिले में पर्व को लेकर सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था चाक–चौबंद रही। पर्व के मद्देनजर प्रशासन द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की गई थीं। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया, वहीं मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाकर निरंतर निगरानी रखी गई। प्रमुख स्थानों पर ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी के माध्यम से भी कड़ी नजर रखी गई, जिससे कानून–व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ बनी रही। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर क्षेत्र का संयुक्त भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ईदगाहों के आसपास साफ–सफाई, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। वहीं पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में कानून–व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही और सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वय से त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया।

आंधी–बारिश और ओलावृष्टि ने तोड़ी किसानों की कमर, खेतों में बिछी गेहूं की फसल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में मौसम के अचानक बदले मिजाज ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं, सरसों सहित कई फसलें खेतों में बिछ गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग की चेतावनी के बीच रात करीब 10 बजे अचानक तेज हवाएं चलने लगीं, जिसके बाद गरज–चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। कई स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई, जिससे खड़ी फसलें बुरी तरह प्रभावित हो गईं। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह जमीन पर गिर गई, जबकि सरसों, चना और मटर की फसल को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। विकासखंड क्षेत्रों में हालात ज्यादा गंभीर देखने को मिले। गांवों में तेज हवा के कारण कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। अचानक आई आंधी–तूफान से जनजीवन भी अस्त–व्यस्त हो गया। लोग घरों और दुकानों में शरण लेने को मजबूर हो गए। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल पककर कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन बारिश और तेज हवा के चलते फसल खेतों में गिर गई है। इससे न केवल उत्पादन घटेगा बल्कि गुणवत्ता पर भी असर पड़ेगा। सरसों की फसल में भी दाने झड़ने की आशंका बढ़ गई है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। कई किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण फसलों के दाने टूट गए हैं और पौधे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इससे लागत निकालना भी मुश्किल हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। अभी कुछ दिनों तक मौसम अस्थिर रहने की संभावना है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन कराने की बात कही जा रही है। हालांकि, किसानों को राहत कब तक मिलेगी, इस पर अभी स्पष्ट स्थिति नहीं है। कुल मिलाकर, इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। अब सभी की नजरें प्रशासनिक सहायता और मौसम के स्थिर होने पर टिकी हुई हैं।

किराना दुकान में चोरी, नकदी और सामान पार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर नगर के एक मोहल्ले में स्थित किराना दुकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार दुकान के शटर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और गल्ले में रखी नकदी के साथ–साथ दुकान का सामान भी उठा ले गए। सुबह जब दुकान मालिक मौके पर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन खुलासा नहीं हो सका है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

खंभे में उतरा करंट, गोवंश की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील इटवा क्षेत्र के एक गांव में बिजली के खंभे में अचानक करंट उतर आने से एक गोवंश की दर्दनाक मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब गोवंश खंभे के पास पहुंचा और करंट की चपेट में आ गया। ग्रामीणों का कहना है कि खंभों में अक्सर करंट उतरने की समस्या बनी रहती है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने बिजली विभाग से तत्काल सुधार और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है।

सम्पादकीय

निस्संदेह, नई तकनीक और इंटरनेट आधारित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये हाइटैक पुलिस की जरूरत होगी। नई तकनीक जहां अपराधियों का हथियार बनती है, वहीं उन पर शिकंजा कसने में मददगार हो सकती है। बशर्ते इन संसाधनों का उपयोग सावधानी व तत्परता से किया जाए। तब अपराधियों की गैंगवार पर नकेल डालने में खुफिया जानकारी और ...

चंडीगढ़ तक पहुंची गैंगवार की तपिश

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक, अपनी चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरुआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं, जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिकंजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह, सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई–प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह, दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन, अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है। वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन–दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून–व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने, पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी। निश्चित रूप से ऐसे अपराधों पर तभी अंकुश लगाना संभव हो पाएगा, जब पुलिस का लक्ष्य आपराधिक गिरोहों, उनकी आर्थिक मदद करने वालों तथा उनके सहयोगियों के गठजोड़ को नेस्तनाबूद करना होगा। इसमें दो राय नहीं कि आपराधिक मामलों में तुरंत जांच, पुलिस की प्रत्यक्ष उपस्थिति और समय पर न्याय मिलने से न केवल जनता का विश्वास बहाल होगा, बल्कि शहरों को आने वाले समय में ऐसे गैंगवार से जुड़ी हिंसा से भी बचाया जा सकेगा। निस्संदेह, नई तकनीक और इंटरनेट आधारित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये हाइटैक पुलिस की जरूरत होगी। नई तकनीक जहां अपराधियों का हथियार बनती है, वहीं उन पर शिकंजा कसने में मददगार हो सकती है। बशर्ते इन संसाधनों का उपयोग सावधानी व तत्परता से किया जाए। तब अपराधियों की गैंगवार पर नकेल डालने में खुफिया जानकारी और आधुनिक तकनीक खासी मददगार हो सकती हैं। सिटी ब्यूटीफुल में कानून व्यवस्था की खूबसूरती बचाने के लिये जरूरी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यही वक्त की मांग भी है।

स्पांसर के साथ चलता युद्ध का कारोबार

युद्ध चाहे किसी भी नाम से बेचा जाएदृ एपिक फ्यूरी, कूल पीस या गोल्डन ग्लोदृ असलियत में यह विनाश का कारोबार है। लेकिन जब इसमें स्पॉन्सर जुड़ जाते हैं तो यह एक कॉर्पोरेट इवेंट बन जाता है, जहां मौत भी विज्ञापन के साथ आती है। युद्ध अपने आप में बड़ा कारोबार है। युद्ध चलता है तो हथियार चलते हैं। हथियार चलते हैं तो हथियार बनते और बिकते हैं। ईरान पर अमेरिका ने जो हमला किया है, उस ऑपरेशन का नाम हैकृआपरेशन एपिक फ्यूरी, मतलब यह कोई नया वीडियो गेम लगता है। बच्चे इस तरह के वीडियो गेम के लिए पागल रहते हैं, वैसे बड़े भी युद्ध के गेम के लिए पागल रहते हैं। युद्ध धंधा है और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को धंधा और डील बहुत पसंद है। बहुत संभव है कि टीवी न्यूज में युद्ध के तमाम हिस्सों के स्पांसर भी आने लगें। कल्पना कीजिए, टीवी पर न्यूज एंकर कह रहा हैकृ'आज की बमबारी प्रस्तुत कर रहा हैदृ गोल्डन ग्लो साबुन, जो दुश्मन की गंदगी को तुरंत साफ कर दे। और कल सुबह की एयर स्ट्राइक का स्पॉन्सर हैदृ फ्लाई हाई एयरलाइंस, जो आपको आसमान में ले जाए और दुश्मन को नीचे गिरा दे।' जैसे क्रिकेट मैच के बीच में विज्ञापन आता है, वैसे ही युद्ध के बीच में भी ब्रेक होगा। 'आप देख रहे हैं ऑपरेशन कूल पीसदृ स्पांसर कूल कूल टुथपेस्ट। अभी थोड़ी देर में दुश्मन पर अगली बमबारी होगी, लेकिन उससे पहले लीजिए यह खास संदेश।' और फिर स्क्रीन पर आएगाकृसुपर फ्रेश सोपदृ क्योंकि युद्ध के बाद भी चाहिए ताजगी। जनता को लगेगा कि युद्ध कोई रियलिटी शो है। हर बमबारी, हर गोली, हर हमला–सबका अपना ब्रांड वैल्यू है। युद्ध अब केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं, यह मार्केटिंग और स्पॉन्सरशिप का महोत्सव है। बम गिराने वाला पायलट हेलमेट पर ब्रांड लोगो लगाएगा। टैंक पर लिखा होगा–पावर्ड बाय सुपर नेचुरल आयल और सैनिकों की वर्दी पर चमकेंगेदृ आफिशियल पार्टनर एक्स वाई जेड शूज। अगर यही सिलसिला चलता रहा तो आने वाले समय में हम सुनेंगे 'आज की मिसाइल अटैक दृडायमंड हाऊसिंग द्वारा प्रस्तुत।' 'कल का नाइट ऑपरेशन–स्वीट ड्रीम्स गद्दों की सौगात।' 'दुश्मन की हार– सुपर स्माइल डेंटल क्रीम के साथ।' युद्ध चाहे किसी भी नाम से बेचा जाए–एपिक फ्यूरी, कूल पीस या गोल्डन ग्लो– असलियत में यह विनाश का कारोबार है। लेकिन जब इसमें स्पॉन्सर जुड़ जाते हैं तो यह एक कॉर्पोरेट इवेंट बन जाता है, जहां मौत भी विज्ञापन के साथ आती है।

निर्यात बढ़ाने को जरूरी खास रणनीतिक उपाय

घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति भी नए सिरे से प्रतिब)ता आवश्यक होगी। इस हेतु देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाया जाये। सिस्टमैटिक्स ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत द्वारा व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ लेने के लिए घरेलू कंपनियों को गुणवता, तकनीक और कुशल कर्मियों के साथ आगे ...

ईरान व इस्राइल–अमेरिका के बीच युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में सरकार द्वारा निर्यातकों को विशेष सहयोग व प्रोत्साहन जरूरी है। वहीं व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन की गति बढ़ानी होगी। ईरान और इस्राइल–अमेरिका के बीच युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर संबंधित मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों और शिपिंग कंपनियों द्वारा जारी विचार मंथन में दो अहम बातें सामने आ रही हैं। एक, इस युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती खड़ी हो गई है। दो, युद्ध के दौर में सरकार द्वारा निर्यातकों को हरसंभव सहयोग– प्रोत्साहन, व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन और सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के लिए अमेरिका, इस्राइल और ईरान तीनों ही निर्यात के अहम बाजार हैं, ऐसे में न केवल इन तीनों देशों में, बल्कि युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों में भी भारत से होने वाले निर्यात प्रभावित होंगे। विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न–आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हो सकते हैं।

युद्ध के बीच ईरान द्वारा दुनिया के सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से विभिन्न देशों के बाजारों में माल ढुलाई और बीमा प्रीमियम की लागत बढ़ने से भी भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, युद्ध के कारण सोने–चांदी की कीमतों में भारी उछाल से

इनके आयात के बढ़े हुए मूल्य के कारण भारत का व्यापार घाटा और बढ़ता नजर आ सकता है। ऐसे में अब युद्ध के कारण निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती के मद्देनजर भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने व व्यापार घाटा नियंत्रित रखने को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। इसके मद्देनजर चार महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा। पहला, भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दूसरा, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना। तीसरा, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चौथा, आगामी वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए हाल में पेश केंद्रीय बजट के तहत घोषित निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना। गौरतलब है कि भारत द्वारा कई देशों के साथ जो एफटीए किए गए है उन्हें शीघ्रता से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत–यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी यानी मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहते हुए रेखांकित किया गया है कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पॉवर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। पिछले वर्ष 2025 में भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ–साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को आकार देने की पहल की जानी होगी। ईरान और इस्राइल–अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं। ऐसे में भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। एक फरवरी को वित्तमंत्री द्वारा पेश केंद्रीय बजट 2026–27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा। निःसंदेह, इस समय वैश्विक व्यापार और वैश्विक निर्यात में कमी की चुनौतियां सामने खड़ी है, तब भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं वरन एंटी–डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15–20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए राज्यों में मान्यताप्राप्त आधुनिक प्रयोगशालाएं भी जरूरी हैं।

बाहरी चमक–दमक में सिसकता अमेरिकी समाज

यों तो फिल्मों के बारे में भी यह कह सकते हैं। फिल्में भी अपने समय की साक्षी होती हैं। अमेरिकी जीवन में कितनी मारामारी है, इसे हॉलीवुड की फिल्में खूब दिखाती हैं। लेकिन फिल्म के मुकाबले किताब का असर ज्यादा होता है। किताबों से जो दृश्य लगातार आपके मन में बनते हैं, वे गहरा प्रभाव छोड़ते हैं। इसीलिए दृश्य माध्यम चाहे भुला दिए जाएं, किताबों का असर बहुत दिनों तक रहता है। इन दिनों ...

अमेरिका ने चतुराई से अपनी कैसी छवि बनाई है कि हम उसे इस धरती का स्वर्ग मानने लगे हैं, जबकि यदि नर्क जैसी कोई जगह होती हो, तो यह देश उससे भी बड़ा है। दुनियाभर में दरोगाई करके अमेरिका ने जितने अत्याचार किए हैं और कर रहा है, उसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है। हाल ही में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप के मनमाने तरीके से टैरिफ लगाने के फैसले को पलटा। बदले में वहां के न्यायाधीशों को लेकर ट्रंप ने गाली–गलौज की भाषा का इस्तेमाल किया, उससे यही पता चलता है कि उनकी आस्था लोकतांत्रिक मूल्यों में कतई नहीं है। बल्कि जिस तरह के बयान वे लगातार दे रहे हैं, वे भी बताते हैं कि उन्हें किसी की परवाह नहीं है। उनकी ऐसी बातें सुनकर अनेक ऐसी कहानियां याद आती हैं, जहां कोई राजा–महाराजा अपने को अमर समझता था और दुर्दिनों को प्राप्त होता था। अमेरिका में इन दिनों उन लोगों की बाढ़ आई हुई है, जो सड़कों पर उतरे हुए हैं। वे भारतीयों को तरह–तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं। नफरती बयान दे रहे हैं। उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रहे हैं। जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाया और दुनिया के अधिकांश देशों ने चुप्पी साध ली, वह तुलसीदास जी की सैकड़ों वर्ष पहले लिखी बात को सच साबित करता है 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं'। लेकिन कोई भी सामर्थ्यवान हमेशा समर्थ नहीं रहता। यह भी याद रखना चाहिए।

पूरी दुनिया के युवा जिन्हें जेनरेशन जी के नाम से पुकारा जाता है, वे अमेरिका को किसी ड्रीम कंट्री की तरह देखते रहे हैं। भारत में भी बच्चे की सफलता इस बात से तय मानी जाती है कि वह अमेरिका गया कि नहीं। लेकिन अब ये सपने टूट रहे हैं। वहां के विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों का एनरोलमेंट लगातार गिर रहा है। अमेरिका बस श्वेत अमेरिकियों के लिए है, ये भावना वहां सिर उठा रही है। इसलिए बाहर के बच्चे वहां जाने से बच रहे हैं। अमेरिका की आबादी मात्र चौंतीस–पैंतीस करोड़ है। लेकिन

अपराधों का आंकड़ा बहुत बड़ा है। स्त्रियों के प्रति अपराध बड़ी संख्या में होते हैं। आबादी के मुकाबले दुगुने हथियार हैं। ये सरे बाजार मिलते हैं। बच्चे ड्रग्स की चपेट में हैं। ड्रग्स खुले बाजार में मिलती हैं और बच्चे भी इन्हें खरीद सकते हैं। उन्हें कोई रोक भी नहीं सकता। यदि कोई रोके, तो इसे बच्चों के अधिकारों के खिलाफ माना जाता है।

हाल ही में पेंग्विन में छपे तीन उपन्यासों को पढ़ा था। ये हैंकृबॉयफ्रेंड, झूठ मत बोलो और हादसा। इसकी लेखिका फ्रीडा मैकफेडन हैं। फ्रीडा पेशे से दिमाग की चोटों की एक्सपर्ट डाक्टर हैं। लेकिन क्राइम थ्रिलर और कामेडी भी लिखती हैं। अब तक उनकी रचनाओं के विश्व की चालीस भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं। इन उपन्यासों को पढ़ते हुए लगा कि वे अमेरिका के जीवन को कितनी नजदीक से जानती हैं। तीनों के तीनों उपन्यास ऐसे हैं, जिनसे पता लगता है कि वहां के समाज में आप किसी पर विश्वास नहीं कर सकते। भाई–बहन पर नहीं, बहन भाई पर नहीं। पति–पत्नी पर नहीं, पत्नी पति पर नहीं। मरीज डाक्टर पर नहीं, और डाक्टर मरीज पर नहीं। इनमें से अधिकतर अपने आसपास वालों की हत्या कर देते हैं। गाड़ी के ब्रेक खराब कर देते हैं। इनकी लाशों को घरों के तहखानों में डाल दिया जाता है। वे वहां सड़ जाती हैं। या किसी जंगल में जाकर गाड़ दिया जाता है।

बच्चे की चाह में किसी महिला को मदद के बहाने अपने घर के तहखाने में रख दिया जाता है। एक लड़की का एक्सीडेंट होता है। गाड़ी बर्फ में फंस जाती है। उसे एक आदमी अपने घर लाता है। लड़की गर्भवती है। घर की निःसंतान महिला को लगता है कि यदि यह लड़की बच्चे को यहां जन्म दे दे, तो वह बच्चे को हड़प लेगी और इस लड़की को ठिकाने लगा देगी। मगर उसका पति एक दिन उसकी अनुपस्थिति में उस लड़की को अस्पताल में छोड़ आता है। वहां लड़की का सगा भाई उसे मारने की कोशिश करता है। पहले भी वह लड़की के कार के ब्रेक खराब कर चुका है, क्योंकि वह उस आदमी से मिला हुआ है, जो लड़की का दुष्कर्मी है।

ये पढ़ते–पढ़ते आप थरथराने लगते हैं कि ये कैसा समाज है। जहां हर कोई बस दूसरे की जान लेने की कोशिश में है। रिश्तों की कोई मर्यादा भी नहीं। अपने देश में होने वाली ऐसी बहुत–सी घटनाएं याद आने लगती हैं। अमेरिका तो कहता है कि वह पूरे विश्व का ठेकेदार है, लेकिन अपने यहां के अपराध नहीं रोके जाते। इन उपन्यासों में पुलिस बुलाते ही आ भी जाती है, लेकिन अधिकांश बार वह न तो अपराधी को पकड़ पाती है, न ही लाश को ढूंढ़ पाती है। और सबसे बड़ी बात ये कि अपराधी खूब मजे से, सारी सुविधाओं का लाभ उठाते हुए जीवन जीते हैं। पार्टी करते हैं। एक घर में रहते हुए भी वे एक–दूसरे को धोखा देते रहते हैं। उन्हें कोई पछतावा भी नहीं होता। यहां घर बहुत बड़े–बड़े हैं। दूर–दूर तक कोई अड़ोसी–पड़ोसी भी नजर नहीं आता। ऐसे में लगता है कि कोई अपराध हो तो उसकी सूचना भी कैसे दी जाए। इसीलिए लोग अपने घरों में अलार्म सिस्टम लगवाते हैं। न्यूयार्क जिसे अमेरिका की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, वहां एक नहीं कई–कई ताले लगाए जाते हैं, लेकिन ताले या अलार्म सिस्टम अपराधों को नहीं रोक पाते। फिर वे अपराध रुकें भी कैसे, जिन्हें अपने ही अंजाम दे रहे हैं। इन्हें पढ़ते हुए सोचती रही कि बाहरी देशों में अमेरिका ने चतुराई से अपनी कैसी छवि बनाई है कि हम उसे इस धरती का स्वर्ग मानने लगे हैं, जबकि यदि नर्क जैसी कोई जगह होती हो, तो यह देश उससे भी बड़ा है। दुनियाभर में दरोगाई करके अमेरिका ने जितने अत्याचार किए हैं और कर रहा है, उसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है।

आश्रम की पम्मी पहलवान लगीं साड़ी में बला की खूबसूरत, अदिति पोहनकर साड़ी में ढाती हैं कहर, ये अदाएं जीत लेंगी दिल

बाबा निराला से पंगा लेने वाली पम्मी पहलवान साड़ी में कहर ढाती हैं. जी हां हम बात कर रहे है आश्रम वेब सीरीज की पम्मी पहलवान एक्ट्रेस अदिति पोहनकर की. जो अपनी ग्लैमरस और स्टाइलिश साड़ी लुक्स के लिए जानी जाती हैं. जो अक्सर ट्रेडिशनल और मॉडर्न टच का मेल होती हैं. जिनमें उनके डिजाइनर ब्लाउज और अलग–अलग साड़ी स्टाइल बहुत पसंद किए जाते हैं, और उनके ये लुक्स अक्सर सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट साइट्स पर सुर्खियां बटोरते हैं. पम्मी पहलवान का किरदार अदिति पोहनकर निभाती हैं, जो बाबा निराला से लोहा लेती हैं. अपनी मजबूती के साथ–साथ खूबसूरती के लिए भी मशहूर हैं. वह साड़ी में बेहद खूबसूरत लगती हैं और उनके ब्लाउज के डिजाइन काफी ट्रेंड करते हैं. उनकी फोटोज और साड़ी लुक्स अक्सर वायरल होते हैं और फैंस उन्हें कॉपी करना पसंद करते हैं.

नाशपाती से बनाए जा सकते हैं ये 5 स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन, सभी को आएंगे पसंद

नाशपाती एक स्वादिष्ट फल है, जो थोड़ा खट्टा–मीठा होता है। यह न केवल स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए अच्छे होते हैं। आमतौर पर इसे कच्चा खाया जाता है, लेकिन इससे कई तरह के अनोखे भारतीय पकवान भी बनाए जा सकते हैं। आइए आज हम आपको नाशपाती से बनाए जाने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिनका स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

नाशपाती का हलवा

नाशपाती का हलवा एक खास और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले नाशपाती को कद्दूकस कर लें, फिर इसे घी में भूनें। अब इसमें दूध, चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं और पकने दें, जब तक कि मिश्रण गाढ़ा न हो जाए। अंत में इसमें सूखे मेवे डालकर सजाएं। यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे आप खास मौकों पर बना सकते हैं।

नाशपाती की चटनी

नाशपाती की चटनी एक बेहतरीन संगत है, जो आपके खाने का स्वाद बढ़ा सकती है। इसे बनाने के लिए पकी हुई नाशपाती को मैश करें और उसमें हरी मिर्च, अदरक, नमक और गुड़ मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से पीस लें, ताकि सभी मसाले आपस में मिल जाएं। यह चटनी रोटी या पराठे के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसका खट्टा–मीठा स्वाद आपके खाने को खास बना सकता है और इसे आप किसी भी भोजन के साथ परोस सकते हैं।

नाशपाती का रायता

गर्मियों में ठंडा–ठंडा रायता खाना किसे पसंद नहीं होता? अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो नाशपाती का रायता जरूर बनाएं। इसके लिए पकी हुई नाशपाती को मैश करके दही में मिलाएं, फिर उसमें भुना जीरा, नमक और थोड़ा–सा कटा हुआ पुदीना डालें। यह रायता खाने में बहुत ही ताजगी भरा और स्वादिष्ट है। इसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं और इसका स्वाद आपके खाने को और भी खास बना देगा।

नाशपाती की सब्जी: नाशपाती की सब्जी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप अपने घर में आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और अदरक–लहसुन का पेस्ट भूनें, फिर उसमें मसाले डालकर पकाएं। अब इसमें कटी हुई नाशपाती डालें और थोड़ी देर पकने दें, ताकि सारे मसाले अच्छे से मिल जाएं। अंत में हरा धनिया डालकर सजाएं। यह सब्जी रोटी या चावल, दोनों के साथ अच्छी लगती है और इसका स्वाद बहुत ही खास है।

नाशपाती की खीर: खीर तो आपने कई बार बनाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी नाशपाती की खीर ट्राई की है? इसके लिए सबसे पहले दूध उबालें, फिर उसमें चीनी डालें और गाढ़ा होने तक पकने दें। अब इसमें कटी हुई नाशपाती डालें और थोड़ी देर पकने दें, ताकि फल का स्वाद दूध में अच्छे से मिल जाए। अंत में इलायची पाउडर डालकर सजाएं और ठंडा करके परोसें। यह खीर खाने में बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक है।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए

हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज–धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं। मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025–26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं। मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग–अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं। बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन–फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

ध्यान लगाने से जुड़े इन भ्रमों को सच मानने की न करें गलती, जानें सही जानकारी

ध्यान एक प्राचीन तरीका है, जो मानसिक शांति और आत्म–जागरूकता को बढ़ावा देता है। इसको लेकर कई भ्रम और गलत धारणाएं प्रचलित हैं, जो लोगों को इसके अभ्यास से दूर रखती हैं या गलत दिशा में ले जाती हैं। इस लेख में हम ध्यान से जुड़े 5 प्रमुख भ्रमों को जानेंगे और उनकी सच्चाई को समझेंगे, ताकि आप सही जानकारी के साथ ध्यान का अभ्यास कर सकें और इसके लाभ उठा सकें। भ्रम– केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है ध्यान यह सबसे आम गलतफहमियों में से एक है कि ध्यान करना केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है। सच्चाई यह है कि ध्यान एक वैज्ञानिक तरीका है, जो किसी भी व्यक्ति की जीवनशैली में शामिल किया जा सकता है। चाहे आप धार्मिक हों या नहीं, आप ध्यान लगा सकते हैं। यह मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्म–जागरूकता बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। ध्यान का अभ्यास किसी भी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग कर सकते हैं।

भ्रम– ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की होती है जरूरत

कई लोग मानते हैं कि ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, जबकि ऐसा नहीं है। आप खुद ही सरल तरीकों से ध्यान करना सीख सकते हैं। इंटरनेट पर कई वीडियो और लेख उपलब्ध हैं, जो आपको घर बैठे ही सही तरीके से ध्यान करने की जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा आप किताबें पढ़कर भी ध्यान की तकनीकों को समझ सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं। भ्रम– ध्यान करना होता है मुश्किल ध्यान से जुड़ा एक और सामान्य भ्रम यह है कि इसे करना बहुत मुश्किल होता है। सच्चाई यह है कि शुरूआत में थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से इसमें महारत हासिल की जा सकती है। बस आपको धैर्य रखना होगा और धीरे–धीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। ध्यान का अभ्यास जितना ज्यादा करेंगे, उतनी ही आसानी से आप इसे कर पाएंगे और इसके फायदों का आनंद ले सकेंगे। भ्रम– ध्यान करने से आती है नींद यह भी एक गलत धारणा है कि ध्यान करने से नींद आती है। वास्तव में ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक सतर्क बनाती है। सही समय पर और सही तरीके से किया गया ध्यान आपको बेहतर नींद देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे करने से तुरंत नींद आ जाएगी। ध्यान करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। भ्रम– ध्यान करने से दिमाग हो जाता है खाली ध्यान से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि ध्यान करने पर दिमाग खाली हो जाता है। वास्तव में ध्यान का मतलब है अपने विचारों को नियंत्रित करना, न कि उन्हें पूरी तरह से खत्म करना। इससे आप अधिक स्पष्टता और फोकस प्राप्त करते हैं। इन सभी भ्रमों को समझकर हम देख सकते हैं कि कैसे ये हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं और हमें सही जानकारी प्राप्त करने से रोकते हैं।

क्या हरे सेब लाल से ज्यादा सेहतमंद होते हैं? जानिए सही जानकारी

सेब एक ऐसा फल है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय है। आमतौर पर लाल सेब को कम सेहतमंद माना जाता है, जबकि हरे सेब को ज्यादा पोषक तत्वों वाला समझा जाता है। इस लेख में हम इस धारणा की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में हरे सेब लाल से बेहतर होते हैं या नहीं। आइए जानते हैं कि हरे और लाल सेब में क्या अंतर होता है और किसे चुनना ज्यादा फायदेमंद होता है।

हरे और लाल सेब में क्या अंतर है?

हरे और लाल सेब, दोनों ही सेब की अलग–अलग किस्में होती हैं। हरे सेब आमतौर पर खट्टे होते हैं, जबकि लाल सेब मीठे होते हैं। इनके रंग और स्वाद का अंतर इनके पकने के स्तर पर निर्भर करता है। हरे सेब कम पके होते हैं और उनमें एक खास तत्व अधिक होता है, जो उन्हें खट्टा बनाता है। वहीं लाल सेब पूरी तरह से पक चुके होते हैं और उनमें मीठास की मात्रा अधिक होती है।

पोषक तत्वों के लिहाज से किसका चयन सही है?

पोषक तत्वों के मामले में दोनों ही सेब समान होते हैं। दोनों में विटामिन–ए, फाइबर और सेहत के लिए फायदेमंद तत्व होते हैं। हरे सेब में सेहत के लिए फायदेमंद तत्व की मात्रा थोड़ी अधिक होती है, जबकि लाल सेब में मीठास की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए, अगर आप कम मीठास वाले फल चाहते हैं तो हरे सेब चुनें, जबकि मीठे फल पसंद करने वालों के लिए लाल सेब बेहतर हो सकता है।

वजन घटाने में कौन–सा सेब ज्यादा असरदार?

अगर आप वजन घटाने के लिए फल चुन रहे हैं तो हरा सेब आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें कम कैलोरी होती है और यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्रा भी अधिक होती है, जो पाचन क्रिया को स्वस्थ रखती है और वजन नियंत्रित करने में मदद करती है। लाल सेब भी सेहतमंद होते हैं, लेकिन इनमें मीठास की मात्रा अधिक होती है।

दांतों के स्वास्थ्य के लिए कौन–सा सेब बेहतर है?

दांतों के स्वास्थ्य के लिए दोनों ही सेब फायदेमंद होते हैं, लेकिन हरे सेब में एक विशेष तत्व अधिक होता है, जो दांतों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, अगर आपके दांत संवेदनशील हैं या आपको दांतों की समस्या है तो लाल सेब चुनना बेहतर होगा। लाल सेब में मौजूद एक खास तत्व दांतों की सुरक्षा करता है और कैविटी से बचाता है। इसके अलावा दोनों प्रकार के सेब में मौजूद एक अन्य तत्व दांतों के लिए लाभकारी होता है।

किसे चुनना चाहिए?

अब सवाल यह उठता है कि हरे या लाल, किस रंग के सेब को चुनना चाहिए? अगर आप मीठे फल पसंद करते हैं तो लाल सेब आपके लिए बेहतर विकल्प होगा। वहीं कम मीठास वाले फल चाहने वालों के लिए हरे सेब अच्छा विकल्प हो सकते हैं। अंत में कह सकते हैं कि दोनों ही सेब सेहतमंद होते हैं और अपने–अपने स्थान पर लाभकारी होते हैं। इसलिए, अपनी पसंद अनुसार ही सेब चुनें।

तेज रफ्तार का कहर : सड़क हादसे में 3 लोग गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती–गोरखपुर मार्ग पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब सड़क पर अचानक संतुलन बिगड़ने से वाहन ने सामने से आ रहे लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर अफरा–तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण वाहन की तेज रफ्तार बताया जा रहा है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि सड़क पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

मिशन शक्ति अभियानरू छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तेजी से किया जा रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें उनके अधिकारों, कानूनों और हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे खुद की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रमों में महिला पुलिसकर्मियों और विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहें, बल्कि तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा, बालिकाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, शिक्षा के महत्व और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि यह अभियान लगातार चलाया जाएगा, जिससे समाज में महिलाओं के प्रति सुरक्षा और सम्मान का माहौल मजबूत हो सके।

आकाशीय बिजली और बदले मौसम का कहर, एक की मौत – कई जिलों में अलर्ट जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मौसम के अचानक बदले मिजाज ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बलरामपुर जिले के घुसाह क्षेत्र में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। प्रशासन ने लोगों को खराब मौसम में खुले स्थानों पर न जाने की सलाह दी है। वहीं बस्ती और संतकबीरनगर में भी हल्की बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिला, जिससे तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है।

त्योहारों से पहले सख्ती : पुलिस का सघन चेकिंग अभियान शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिले भर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चौराहों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस द्वारा वाहनों की गहन जांच की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के साथ–साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दस्तावेज भी चेक किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसके अलावा, पुलिस द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

चोरी की वारदात से दहशत, पुलिस ने बढ़ाई गश्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। बीती रात अज्ञात चोरों ने एक रिहायशी इलाके में घर को निशाना बनाते हुए नकदी और कीमती जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि घटना देर रात की है, जब परिवार के लोग सो रहे थे। इसी दौरान चोर घर में घुस गए और अलमारी में रखे लाखों रुपये के सामान को लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई है। लगातार हो रही वारदातों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने रात में गश्त बढ़ा दी है और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने जल्द ही चोरी की घटनाओं का खुलासा करने का दावा किया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके।

सड़क हादसों ने बढ़ाई चिंता: ट्रेलर की टक्कर से युवक की मौत, दो गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। जिले के मगहर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर हंगामा किया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज, गांव–गांव पहुंच रहे दावेदार, बढ़ी सियासी हलचल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। चुनाव की तारीखों के आधिकारिक ऐलान से पहले ही संभावित उम्मीदवारों ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है और गांव–गांव जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। जिले के विभिन्न ब्लॉकों में दावेदार सुबह से लेकर देर शाम तक जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। घर–घर पहुंचकर लोग अपनी योजनाएं बता रहे हैं, क्षेत्र के विकास के वादे कर रहे हैं और समर्थन जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। कई स्थानों पर चौपाल, छोटी बैठकों और सामाजिक कार्यक्रमों के जरिए जनता से जुड़ने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीण इलाकों में चुनावी चर्चा अब चाय की दुकानों से लेकर चौपाल तक पहुंच गई है। मतदाता भी उम्मीदवारों के पिछले कार्यों, छवि और वादों का बारीकी से आकलन कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार कई नए चेहरे भी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं, जिससे मुकाबला और रोचक होने की संभावना है। कुछ संभावित प्रत्याशी सामाजिक कार्यों, जैसे सफाई अभियान, जनसमस्याओं के समाधान और जरूरतमंदों की मदद के जरिए अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। वहीं, पुराने जनप्रतिनिधि अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाकर जनता का विश्वास बनाए रखने में जुटे हैं। राजनीतिक समीकरण भी तेजी से बदल रहे हैं। गांव स्तर पर जातीय और सामाजिक समीकरणों को साधने के लिए उम्मीदवार रणनीति बना रहे हैं। समर्थकों की टीमें भी सक्रिय हो गई हैं, जो प्रचार–प्रसार में जुटी हुई हैं। दूसरी ओर, प्रशासन भी पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर चुका है। संभावित संवेदनशील बूथों की पहचान, सुरक्षा व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया को लेकर प्रारंभिक स्तर पर योजना बनाई जा रही है। कुल मिलाकर, बस्ती जिले में पंचायत चुनाव को लेकर माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंगता नजर आ रहा है और आने वाले दिनों में यह सियासी गतिविधियां और तेज होने की संभावना है।

गैस सिलेंडर की किल्लत से त्योहार फीका, घंटों लाइन में खड़े लोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। त्योहारी सीजन में गैस सिलेंडर की मांग अचानक बढ़ने से आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। संतकबीरनगर में लोगों को घंटों लाइन में लगकर गैस सिलेंडर लेना पड़ रहा है। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर उपभोक्ताओं ने एजेंसियों के खिलाफ नाराजगी भी जताई। प्रशासन ने जल्द आपूर्ति सामान्य करने का आश्वासन दिया है।

15 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। पुलिस ने जिले में नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उनके पास से करीब 15 किलो गांजा, एक कार और मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश जारी है।

नवरात्र मेले की तैयारी पूरी, देवी पाटन मंदिर में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रसिद्ध देवी पाटन शक्तिपीठ में नवरात्र मेले को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंदिर परिसर में सुरक्षा, साफ–सफाई, पेयजल और यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है। अनुमान है कि इस बार लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

बांसी में रसोई गैस की किल्लत, उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील क्षेत्र में रसोई गैस की

कमी ने उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है। क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में फैली कुल 16 गैस एजेंसियों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, छह माह या उससे अधिक समय से गैस सिलिंडर न लेने वाले लगभग 15 हजार उपभोक्ताओं के कनेक्शन अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं। इसका प्रभाव यह हुआ कि गैस लेने के लिए आने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई, और एजेंसियों पर भीड़ में इजाफा हुआ। बांसी की प्रमुख गैस एजेंसी, बांसी गैस सेवा, हर माह बड़ी संख्या में सिलेंडरों की आपूर्ति करती है। प्रतिदिन दो बार होने वाली आपूर्ति के बावजूद उपभोक्ताओं की मांग लगातार अधिक बनी हुई है। एजेंसी संचालक अशोक त्रिपाठी ने बताया कि कनेक्शन बंद करने का निर्णय उच्च स्तर से लिया गया है और इसे स्थानीय स्तर पर तुरंत चालू करना संभव नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में आपूर्ति सामान्य होने पर बंद किए गए कनेक्शन फिर से चालू कर दिए जाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कतारों में लगना रोजमर्रा की चुनौती बन गया है, और उन्हें सिलेंडर प्राप्त करने के लिए कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है।

भवानीगंज में राप्ती नदी में डूबने से दो युवकों की दुखद मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवानीगंज/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के भड़रिया गांव में शुक्रवार को राप्ती नदी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और कोहराम मचा हुआ है। मृतकों की पहचान 17 वर्षीय शिवम, पुत्र लल्लू यादव, और 22 वर्षीय विकास, पुत्र कन्हैया, के रूप में हुई है।

दोनों भड़रिया गांव के निवासी थे। घटना के समय गांव स्थित मां सिद्धेश्वरी देवी मंदिर पर धार्मिक आयोजन के तहत कलश यात्रा निकाली जा रही थी। यात्रा गांव से होते हुए सुवाव नाला स्थित राप्ती नदी तक पहुँची। इसी दौरान शिवम नदी में नहाने के लिए उतरा और अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख विकास उसे बचाने के लिए नदी में कूद गया, लेकिन वह भी पानी में डूब गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत नदी में उतरकर दोनों को बाहर निकाला, जिसके बाद उन्हें बेवां स्थित चिकित्सालय ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी बृजेश सिंह और नायब तहसीलदार विष्णु प्रताप सिंह मौके पर पहुँचे। मृतकों के स्वजन ने पोस्टमार्टम कराने से मना किया। इसके बाद गांव के लोगों की मौजूदगी में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव स्वजन को सौंप दिया गया। घटना के बाद पूरे भड़रिया गांव में शोक का माहौल है, और ग्रामीणों का रो–रोकर बुरा हाल है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग–अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही पूरी होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए

बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना–देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

सीमावर्ती क्षेत्र में कनेक्टिविटी बेहतर, 13 विकास परियोजनाओं को मिली मंजूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर/तुलसियापुर। सीमावर्ती शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के विकास में बड़ा सुधार होने जा रहा है। क्षेत्र में 56.08 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 13 महत्वाकांक्षी विकास कार्यों को शासन से वित्तीय स्वीकृति मिलने के साथ ही बजट भी जारी कर दिया गया है। इन परियोजनाओं में 5 नए पुल/पुलिया और 8 सड़कों का निर्माण शामिल है, जो लंबे समय से लंबित थे और अब क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर में सुधार के साथ–साथ नेपाल सीमा से जुड़े नागरिकों के आवागमन को भी सुगम बनाएंगे। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र नेपाल सीमा से सटा हुआ है और यहां सड़कों की खराब स्थिति तथा पुलों की अनुपस्थिति के कारण लोगों को लंबे समय से आवागमन में कठिनाई और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। विधायक की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर इन विकास कार्यों को स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इस परियोजना के तहत बढ़नी–समय माता स्थान मार्ग (3.10 किमी) का निर्माण 2.47 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, मधवानगर–बैरिहवा मार्ग (1.45 किमी) का चौड़ीकरण किया जाएगा, मिनी औद्योगिक केंद्र से एनएच तक मार्ग का चौड़ीकरण 4.24 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, साथ ही गोनहा के पास बाढ़ में क्षतिग्रस्त पुलिया, उतरौला क्षेत्र की पुलिया और चंदवा से बोहली के बीच करमा नाले पर पुलिया का निर्माण भी शामिल है, जिससे स्थानीय लोगों और नेपाल सीमा से आने–जाने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी, औद्योगिक क्षेत्र तक बड़े वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और लोगों की 4–5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी कम हो जाएगी। साथ ही, बढ़नी ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित तालकुंडा ग्राम पंचायत के जलापुरवा टोले में लोक निर्माण विभाग द्वारा नाली निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। करीब डेढ़ हजार की आबादी वाले इस क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी हुई थी। शासन से 20 लाख रुपये की लागत पर लगभग 900 मीटर नाली निर्माण को स्वीकृति मिली है, जिससे जल निकासी की समस्या दूर होगी और गांव में फैलने वाली बीमारियों पर भी नियंत्रण संभव होगा।

सलखन फॉसिल्स पार्क का डीएम ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी ने शनिवार को सलखन फॉसिल

पार्क का स्थलीय निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क के पास पार्किंग स्थल, प्राकृतिक म्यूजियम, रिसेप्शन सेंटर, कैंटीन सहित मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित एवं सुदृढ़ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि रिसेप्शन सेंटर पर आने वाले आगंतुकों का नाम अनिवार्य रूप से पंजीकृत किया जाए तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने विद्युत उपकेंद्र तक पहुंचने हेतु अलग मार्ग के निर्माण के निर्देश भी दिए, जिससे व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फॉसिल पार्क की ओर जाने वाले मार्ग के पास स्थित तालाब के सुंदरीकरण एवं व्यवस्थित रख–रखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि आगंतुकों को आकर्षक एवं मनोहारी दृश्य उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सलखन फॉसिल पार्क में स्थित जीवाश्मों को देखने के लिए देश–विदेश से पर्यटक आते हैं, ऐसे में यहां उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वन विभाग को निर्देशित किया कि पार्क के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें, जिससे इस महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल को और अधिक विकसित किया जा सके।

प्रेक्षक 22 मार्च को राजनैतिक दलों के साथ करेंगे बैठक 2

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक सिद्धार्थ जैन द्वारा राजनैतिक दलों संग बैठक एवं विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा। जनपद में निर्वाचन संबंधी तैयारियों एवं विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रगति के दृष्टिगत सिद्धार्थ जैन, प्रेक्षक भारत निर्वाचन आयोग एवं संयुक्त सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार 22 मार्च रविवार को अपराह्न 2:30 बजे राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इसके उपरांत अधिकारियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी बद्री नाथ सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की जाएगी तथा निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल ों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर बैठक में प्रतिभाग कर अपने सुझाव एवं अभिमत प्रस्तुत करें, जिससे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। साथ ही संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे बैठक में आवश्यक अभिलेखों एवं प्रगति रिपोर्ट के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

थाना दुद्धी द्वारा साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति के 8,000/– रुपये कराए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के दिशा–निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। 21.03.2026 को आवेदक राकेश कुमार पुत्र गोरखलाल निवासी सायल, थाना दुद्धी, की मोबाइल चोरी हो जाने के उपरांत अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके खाते से ₹15,000/– की धोखाधड़ी कर ली गई थी। इस संबंध में आवेदक द्वारा छब्ब्द्व पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा आवश्यक साक्ष्य संकलित कर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित किया गया। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार फ्रॉड की गई धनराशि में से ₹8,000/– रुपये आवेदक को सफलतापूर्वक वापस कराए गए।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च

प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं तथा बच्चों हेतु संचालित योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, 181 महिला हेल्पलाइन, पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा। साथ ही महिलाओं व बच्चों को संरक्षण प्रदान करने वाले प्रमुख कानूनों यथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013, दहेज निषेध अधिनियम, 1961 (संशोधित 1986) तथा गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (च्व्ब्ैव्), 2012 के प्रमुख प्रावधानों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाएगा। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्च् साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

चोरी के 02 मुकदमों का अनावरण, 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, भारी मात्रा में सामान बरामद'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना पिपरी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 44/2026 धारा 305(3) बीएनएस एवं मु0अ0सं0 45/2026 धारा 331/305(ए) बीएनएस से संबंधित चोरी की घटनाओं का थाना पिपरी पुलिस द्वारा सफल अनावरण किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में चोरी की घटनाओं के अनावरण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 20.03.2026 को रात्रि 23.10 बजे थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण एवं संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर मुर्धवा मोड़ से रनटोला मार्ग स्थित जंगल क्षेत्र में दबिश दी गई। मौके पर चोरी का सामान छिपाकर ले जाने की तैयारी कर रहे अभियुक्तों को घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिसमें 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य अभियुक्त अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर सुनसान घरों एवं दुकानों की रेकी कर रात्रि में चोरी की घटनाएं करते थे तथा चोरी का सामान जंगल में छिपाकर बाद में औने–पौने दाम में बेच देते थे। ट्रैक्टर पार्ट एक्सल, क्राउन हाउसिंग, क्राउन शाफ्ट, ब्रेक सेट, बेबिन हाउसिंग, हाइड्रोलिक हत्था आदि बरामद सामान उपरोक्त दोनों मुकदमों से संबंधित पाया गया। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर प्रयास जारी हैं।

शान्ति पूर्ण वातावरण में अदा की गयी ईद उल फितर की नमाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा/सोनभद्र। ओबरा

नगर के भलुआ टोला में स्थित ईदगाह में शनिवार के ईद–उल–फितर की नमाज बड़े ही शांतिपूर्ण वातावरण में अदा की गई। इस दौरान मुस्लिम बंधुओं ने देश में भाई चारा बढ़ाने एवं देश की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। वही पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था चक चौबंद रही। सुबह होते ही आठ बजे से ही ईदगाह में नमाजियों का पहुंचना शुरू हो गया था। छोटे बच्चे हों, नौजवान हों या बुजुर्गकृहर कोई नए कपड़ों में, चेहरे पर मुस्कान और दिल में खुशियों का सैलाब लिए ईदगाह की ओर बढ़ता नजर आया। जैसे–जैसे वक्त आगे बढ़ा, वैसे–वैसे पूरा ईदगाह नमाजियों से खचाखच भर गया। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने गले लगकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। नगर पंचायत अध्यक्ष चांदनी एवं अधिशासी अधिकारी मधुसुदन जायसवाल ने अपनी ओर से नमाजियों के लिए पानी, बिस्कुट एवं जलपान की व्यवस्था की गई थी। वही समाज सेवी रमेश सिंह यादव ने भी नमाजियों के लिए अल्पाहार एवं चाय बिस्कुट की व्यवस्था रही थी। इस दौरान प्रमुख रूप से इंतजामिया कमेटी के सदर हुसैन वाहीदी, सेक्रेटरी राज अली अंसारी, नायब सदर मोहम्मद अली, नायब सेक्रेटरी अली शेर, मुनीर अहमद, हाजी सत्तार, हाजी इसरार अहमद, साकिब अंसारी, मोहम्मद मुलतजा सिद्दीकी, फिरोज अहमद, शब्बीर अहमद, अमजद, परवेज, आरीफ सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई मौजूद रहे।

यूपी टीईटी 2026 : 27 मार्च से आवेदन शुरू, जुलाई में होगी परीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा–2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया 27 मार्च से शुरू होने जा रही है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में आधिकारिक विज्ञापन जारी कर दिया गया है। जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थी 27 मार्च से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र भरने और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी तकनीकी समस्या से बचा जा सके। इस वर्ष यूपी टीईटी परीक्षा का आयोजन जुलाई महीने में किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में होगी, जिसमें प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए अलग–अलग प्रश्नपत्र आयोजित किए जाएंगे। आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए कई तकनीकी सुधार किए गए हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन के दौरान ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया पहले पूरी करनी होगी, उसके बाद ही वे आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि विस्तृत विज्ञापन, परीक्षा पैटर्न, सिलेबस और दिशा–निर्देश आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले सभी दिशा–निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। महत्वपूर्ण तिथियां आवेदन शुरू 27 मार्च 2026 अंतिम तिथि 26 अप्रैल 2026 परीक्षा तिथि जुलाई 2026 कुल मिलाकर, यूपी टीईटी 2026 लाखों अभ्यर्थियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। समय से आवेदन कर तैयारी शुरू करने वाले उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा शिक्षक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

02 अभियुक्त गिरफ्तार, 04 गोवंश बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण में जनपद में गौ–तस्करी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। 21.03.2026 की रात्रि में समय लगभग 02र10 बजे मुखबिर खास की सूचना पर भीखमपुर जंगल रोड से 04 राशि गोवंश (बैल/बछड़ा) के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 28/2026 धारा 3/5।/5ठ/8 उ0प्र0 गौ हत्या निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण को आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

970 शिक्षक नदारद, कॉपियों का मूल्यांकन प्रभावित–जिले में शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर में यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के तीन केंद्रों पर चल रहे मूल्यांकन कार्य के दौरान 970 परीक्षक अनुपस्थित पाए गए, जिससे पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और समय पर परिणाम जारी होने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दूसरे दिन शुक्रवार को कुल 34,731 कॉपियों का ही मूल्यांकन हो सका। परीक्षकों की भारी अनुपस्थिति के चलते कार्य की रफ्तार धीमी रही। अब तक जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कुल 79,919 कॉपियां जांची जा चुकी हैं, लेकिन अपेक्षित गति नहीं बन पा रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, शिवपति इंटर कॉलेज, शोहरतगढ़ में हाईस्कूल की 1,10,983 कॉपियों के सापेक्ष केवल 12,959 कॉपियों की जांच हो पाई। यहां 582 परीक्षकों में से 322 अनुपस्थित रहे। इसी तरह तिलक इंटर कॉलेज में 1,07,454 कॉपियों के सापेक्ष मात्र 11,770 कॉपियां जांची गईं, जहां 581 में से 319 परीक्षक ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। 127202 कॉपियों के सापेक्ष अब तक कुल 10,012 उत्तर पुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन हुआ है। वहीं, 568 में से 329 परीक्षक दूसरे दिन भी अनुपस्थित रहे, जिससे व्यवस्था चरमरा गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मूल्यांकन कार्य को समय पर पूरा कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अनुपस्थित परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और आने वाले दिनों में मूल्यांकन कार्य में तेजी लाई जाएगी। लगातार अनुपस्थिति ने शिक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर कर दिया है। यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो छात्रों के परिणामों में देरी तय मानी जा रही है।

एक हफ्ते में दो बड़ी चोरियां, लोटन क्षेत्र में फैली दहशत–पुलिस की गश्त पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन। लोटन (मोहन थाना क्षेत्र) में बीते एक सप्ताह के भीतर चोरी की लगातार दो वारदातों ने कानून–व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोर बेखौफ होकर घरों और दुकानों को निशाना बना रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश दोनों बढ़ता जा रहा है। पहली घटना 15 मार्च की रात ग्राम गनवार टोला बगिया में हुई, जहां बृजेश कुमार के घर में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने घर के अंदर घुसकर कीमती जेवरात और करीब 10 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। इसके ठीक तीन दिन बाद, 18 मार्च की रात सिकरी चौराहा स्थित राजनारायण की चाय की दुकान को निशाना बनाया गया। चोर दुकान से जरूरी सामान लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 11 हजार रुपये आंकी जा रही है। लगातार दूसरी घटना के बाद व्यापारियों में खासा डर देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रात के समय पुलिस गश्त बेहद कमजोर है, जिसका फायदा उठाकर चोर सक्रिय हो गए हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल गश्त बढ़ाने और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है। संदिग्धों की तलाश जारी है और जल्द ही घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही इन वारदातों ने यह साफ कर दिया है कि अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र में अपराध का ग्राफ और बढ़ सकता है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ईद–उल–फितर के अवसर पर जनपद में नमाज ड्यूटी एवं यातायात व्यवस्था का किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ईद–उल–फितर के पावन अवसर पर शांति, सौहार्द एवं सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत नमाज ड्यूटी एवं यातायात व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा ड्यूटी में लगे पुलिस बल को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार द्वारा थाना दुद्धी क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण कर नमाज स्थलों एवं यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने–अपने सर्किल में भ्रमण कर नमाज को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। जनपद में सभी स्थानों पर नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। कानून–व्यवस्था की स्थिति पूर्णतः सामान्य रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मातृभूमि का नया गाना चांद देख लेना जारी, सलमान खान ने ईद पर दिया तोहफा

सलमान खान दर्शकों को पहली झलक से एक्साइटेड करने के बाद, अपने फैंस के लिए ईद का तोहफा लेकर आए हैं। सलमान खान फिल्म्स ने अब मातृभूमि मे वार रेस्ट इन पीस से सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया पूरा गाना चांद देख लेना रिलीज कर दिया है। ईद के खास अवसर पर रिलीज हुआ यह गाना चांद के महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का ही एक बड़ा हिस्सा है।

जहां ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतजार और भरोसे को दिखाता है। चांद देख लेना इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है। फिल्म के टाइटल ट्रैक मातृभूमि को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। फिर वेलेंटाइन डे पर मैं हूं गाना आया और अब इस नए गाने चांद देख लेना ने फिल्म की कहानी और इसके म्यूजिक को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है।हिमेश रेशमिया के संगीत से सजा यह गाना बॉलीवुड के पुराने और सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह गाना एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच के इमोशनल सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। वीडियो में चित्रांगदा सिंह का किरदार एक फौजी की पत्नी की हिम्मत और सब्र को दिखाता है, जो सरहद पर तैनात अपने पति (सलमान खान) का घर लौटने का इंतजार करती हैं। यह गाना उन परिवारों की ताकत को सलाम करता है जो देश की रक्षा करने वालों के पीछे चट्टान बनकर खड़े रहते हैं।संगीत की दुनिया में कुछ नया करने के लिए, सलमान खान ने इस गाने के जरिए नए टैलेंट को मौका दिया है। चांद देख लेना को युवा गायक निहाल टौरो, जो अपने आध्यात्मिक भजनों और कीर्तनों के लिए मशहूर हैं, और अंकोना मुखर्जी ने गाया है। सलमान खान ने अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इन दोनों गायकों को मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक बड़ा ब्रेक दिया है।पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था, लेकिन अब इसे बदलकर मातृभूमिरू मे वार रेस्ट इन पीस कर दिया गया है। यह बदलाव फिल्म की कहानी के पीछे छिपे गहरे जज्बात और जंग के बीच इंसानियत के संदेश को दिखाने के लिए किया गया है।मातृभूमिरू मे वार रेस्ट इन पीस को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है, जबकि अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं। यह फिल्म बहादुरी, कुर्बानी और मुश्किलों से लड़ने की एक सच्ची झलक पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक बहुत ही अहम रोल में नजर आएंगी।

महक चहल ने शतरंज की बाजी की तरह जिंदगी में भी जीतने की दी सीख

मनोरंजन जगत में सोशल मीडिया अब सिर्फ तस्वीरें पोस्ट करने का जरिया नहीं रह गया है बल्कि सितारे इसके जरिए अपने विचार, अनुभव और जिंदगी के नजरिए भी लोगों के साथ साझा करते रहते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री महक चहल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी ही तस्वीर साझा की है जिसने उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में वह शतरंज खेलती

नजर आ रही हैं और इसके साथ ही उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प बात लिखी है। महक चहल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह शतरंज की बिसात के सामने बैठी नजर आ रही हैं।

तस्वीर में उनका अंदाज काफी शांत दिखाई दे रहा है, जैसे वह अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर मोहरे सजे हुए हैं और महक उन्हें ध्यान से देखती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें जीत दिलाती हैं, कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है। महक चहल के इस पोस्ट पर फैंस अपनी ओर से खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने उनके इस संदेश को प्रेरणादायक बताया। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, वाह, क्या बात कही है, जिंदगी सच में शतरंज की तरह ही होती है। एक अन्य फैन ने लिखा, यह सिर्फ शतरंज नहीं, लाइफ की बड़ी सीख है। एक अन्य फैन ने लिखा, हार भी जरूरी है, तभी जीत की कीमत समझ आती है।

महक चहल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2002 में तेलुगु फिल्म नीथो से की थी। इसके बाद उन्होंने 2003 में हिंदी फिल्म नई पड़ोसन से बॉलीवुड में कदम रखा, जिससे उन्हें पहचान मिली। आगे चलकर वह कई हिंदी, पंजाबी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने फिल्मों में अभिनय के साथ–साथ कई लोकप्रिय गानों में भी डांस परफॉर्मेंस दी। 2009 में वह सलमान खान की फिल्म वॉन्टेड में दिखाई दीं। टेलीविजन पर उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 5 में हिस्सा लेकर खास लोकप्रियता हासिल की, जहां वह रनर–अप रहीं। बाद में उन्होंने फीयर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 11 में भी भाग लिया। वहीं नागिन 6 में अहम किरदार निभाया।

धुरंधर 2 ने पहले दिन लगाई दहाड़, प्रिव्यू शो से तोड़ दिया पिछला रिकॉर्ड

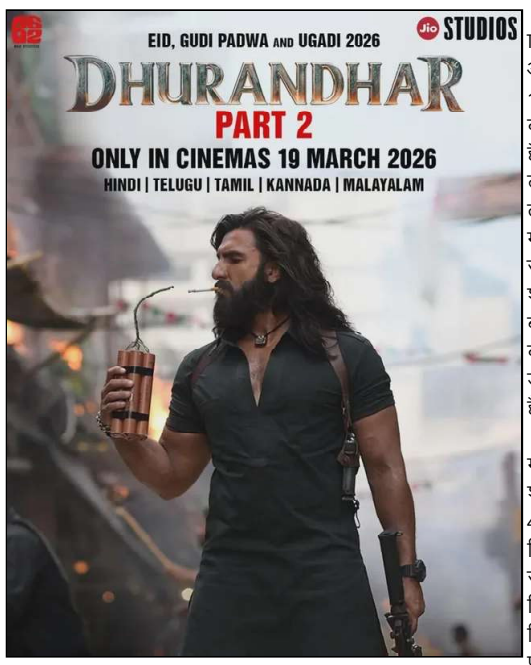

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2रू द रिवेंज का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। 19 मार्च को फिल्म ने दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है जिसे देखने भारी तादात में लोग पहुंचे रहे हैं। रिलीज से ठीक एक दिन पहले, यानी 18 मार्च को फिल्म के प्रिव्यू शोज रखे गए थे जिसमें इसने शानदार ओपनिंग की। दिलचस्प बात यह है कि सीक्वल ने प्रिव्यू कमाई से ही धुरंधर का ओपनिंग डे रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है।

सैकनिल्क के मुताबिक, 18 मार्च को रिलीज हुए पेड प्रीव्यू शोज से धुरंधर 2 ने भारत में 44 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया है। इन आंकड़ों के साथ सीक्वल ने दिसंबर, 2025 में रिलीज हुई धुरंधर को पीछे छोड़ दिया है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। फिल्म ने ग्रॉस कलेक्शन के साथ 52.71 करोड़ रुपये कमा लिए हैं, लेकिन यह आंकड़ा बदल सकता है क्योंकि आखिरी वक्त में कई शो रद्द हुए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, पेड प्रिव्यू के साथ, सभी वर्जन में कुल कमाई 50 करोड़ से ज्यादा हुई है जिसके चलते धुरंधर 2 ने भारत में अब तक की सबसे बड़ी प्रीमियर प्रदर्शन करने वाली फिल्म का खिताब हासिल कर लिया है। इससे पहले, श्रद्धा कपूर अभिनीत स्त्री 2 ने पेड प्रिव्यू में 10 करोड़ से ज्यादा कारोबार करते हुए रिकॉर्ड बनाया था। धुरंधर 2 ने उत्तरी अमेरिका में 19 मार्च की सुबह तक 13.06 करोड़ का अनुमानित कारोबार किया है।

सूर्या अभिनीत फिल्म करुप्पु की रिलीज डेट तय, मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से उठाया पर्दा

सूर्या इस साल अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म करुप्पु के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। आरजे बालाजी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। जानिए कब सिनेमाघरों में रिलीज

होगी यह फिल्म?: फिल्म मेकर्स ने इंस्टाग्राम हैंडल पर करुप्पु से सूर्या का एक खास पोस्टर शेयर किया और साथ ही इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया। उन्होंने लिखा जो लोग सूर्या की फिल्म करुप्पु की रिलीज का इंतजार कर रहे थे, वो आ गई है। करुप्पु 14 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म करुप्पु एक वकील की कहानी है, जो किसी देवता के वश में हो जाता है और समाज के कुछ लोगों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ता है। फिल्म में सूर्या के साथ तृषा कृष्णन मुख्य अभिनेत्री के किरदार में हैं। इसमें इंद्रांस, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी, योगी बाबू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। आरजे बालाजी खुद एक छोटी कैमियो भूमिका में दिखेंगे।

सूर्या विश्वनाथ एंड संस में नजर आएंगे। यह फिल्म वेंकी अटुलुरी ने बनाई है। इसमें सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। यह एक भावुक रोमांटिक ड्रामा है। ममिता बैजू उनके साथ हैं और रवीना टंडन भी महत्वपूर्ण रोल में हैं। यह फिल्म जुलाई 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा सूर्या47 (अस्थायी नाम) में नजर आएंगे। जितु माधवन इसका निर्देशन कर रहे हैं। इसमें नजरिया नाजिम मुख्य भूमिका में हैं और नस्लेन का किरदार भी खास है। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। सिलंबरासन इसमें कैमियो कर सकते हैं।

आम को इन 5 तरीकों से खाएं, स्वाद और सेहत दोनों का रखें ध्यान

गर्मियों में आम का स्वाद और सुगंध कुछ खास होती है। आम को फलों का राजा कहा जाता है और यह कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। आम को खाने के कुछ अनोखे और मजेदार तरीके हैं, जो आपके स्वाद और सेहत दोनों का ख्याल रखते हैं। आइए आम को खाने के कुछ ऐसे तरीके जानते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

आम की चटनी

आम की चटनी एक बेहतरीन विकल्प है, जो आपके खाने का स्वाद बढ़ा सकती है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को कदूकस करें, फिर उसमें हरी मिर्च, अदरक, लहसुन, नमक और थोड़ा–सा गुड़ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से पीस लें। यह चटनी रोटी, पराठे या चावल के साथ बहुत अच्छी लगती है। इससे आपका खाना और भी मजेदार हो जाएगा। इसके अलावा यह चटनी आपके पाचन को भी सुधार सकती है।

आम का अचार

आम का अचार एक पारंपरिक भारतीय व्यंजन है, जो हर घर में बनता है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर धूप में सुखाया जाता है, फिर उसमें सरसों का तेल, मेथी के दाने, सौंफ और हल्दी मिलाकर धूप में रखा जाता है। यह अचार लंबे समय तक खराब नहीं होता और खाने का स्वाद बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह अचार आपके पाचन को भी सुधार सकता है।

आम का शेक

आम का शेक एक ताजगी भरा पेय है, जो गर्मियों में बहुत पसंद किया जाता है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसके गूदे को मिक्सर में डालें, फिर उसमें दूध, चीनी और बर्फ डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका स्वादिष्ट आम का शेक तैयार है। यह पेय न केवल आपको ताजगी देगा बल्कि शरीर को ठंडक भी प्रदान करेगा। इसके अलावा यह पेय आपके शरीर को ठंडा रखने में मदद करेगा।

आम की कुल्फी

आम की कुल्फी एक शानदार मिठाई है, जो गर्मियों में बहुत लोकप्रिय है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसका गूदा निकाल लें, फिर उसमें दूध, चीनी और थोड़ी–सी इलायची पाउडर मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालकर फ्रीजर में जमने दें। कुछ घंटों बाद आपकी आम की कुल्फी तैयार होगी। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है बल्कि आपके शरीर को ठंडक भी प्रदान करती है।

आम का रायता

आम का रायता खाने का स्वाद बढ़ाने वाला एक अनोखा व्यंजन है, जिसे किसी भी भोजन के साथ खाया जा सकता है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को छिलकर उसका गूदा निकाल लें, फिर उसमें दही, भुना जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा–सा चीनी मिला दें। आपका आम का रायता तैयार हो जाएगा। इन सभी तरीकों से आम को खाने पर न केवल उसका स्वाद बढ़ता है बल्कि ये आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं।